डॉ. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग (चमोली)

मोनाल

ई-न्यूज लैटर

Website : www.gpgckaranprayag.com

E-mail : gdc.kpg1979@gmail.com

अंक : तृतीय | पृष्ठ : 6 | अक्टूबर-नवंबर : 2023

प्रो. एन. के. जोशी
कुलपति
श्री देव सुमन उत्तराखंड
विश्वविद्यालय

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि डॉ. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग (चमोली) अपने महाविद्यालय के मासिक ई-न्यूज लेटर "मोनाल" का प्रकाशन कर रहा है। महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित किए जाने वाले ई-न्यूज लेटर "मोनाल" के माध्यम से महाविद्यालय की गतिविधियों, आयोजनों, उपलब्धियों एवं भावी योजनाओं की जानकारी समाज एवं हितधारकों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा, साथ ही उच्च शिक्षा क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर नीतियों एवं परिवर्तनों की सूचनाएं भी इस न्यूज़ लेटर में समाहित होगी। मैं डॉ. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग (चमोली) द्वारा प्रकाशित किए जाने वाले ई न्यूज लेटर "मोनाल" की भव्यता एवं सफल प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं ज्ञापित करता हूं।
मंगलकामनाओं सहित

प्रो. एन. के. जोशी
कुलपति

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) से मिला महाविद्यालय को "बी" ग्रेड, सीजीपीए रहा 2.34

18 अक्टूबर

उत्तराखंड शासन और उच्च शिक्षा निदेशालय द्वारा चिन्हित कर्णप्रयाग महाविद्यालय को नैक द्वारा 2.34 सीजीपीए के साथ "बी" ग्रेड प्रदान किया गया है। "बी" ग्रेड प्राप्ति के बाद शासन द्वारा महाविद्यालय को पांच लाख रुपए की धनराशि पुरस्कार स्वरूप दी जायेगी। 17 अक्टूबर को नैक की पीयर टीम के चेयरपर्सन प्रो. मुथुचेलियन रामासामी, भूतपूर्व कुलपति पेरियार यूनिवर्सिटी तमिलनाडु, मैंबर कोऑर्डिनेटर डा. तार्केश्वर वीबी प्रोफेसर डिपार्टमेंट ऑफ ट्रांसलेशन स्टडीज द इंग्लिश एण्ड फॉरेन लैंग्वेज यूनिवर्सिटी हैदराबाद तथा डा. विलास सोनावाने प्राचार्य बी.रघुनाथ आर्ट्स एण्ड साइंस कालेज परभनी महाराष्ट्र के महाविद्यालय आगमन पर प्राचार्य प्रो.के.एल.तलवाड़ द्वारा उनका पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। महाविद्यालय की दो छात्राओं ने उत्तराखंड की पारंपरिक वेशभूषा पहने हुए उन्हें रोली तिलक लगाया,एन.सी.सी. यूनिट द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर के पश्चात प्राचार्य द्वारा उन्हें उत्तराखंडी टोपी व शॉल भेंट की गई। शौर्य दीवार पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद नैक टीम द्वारा विधिवत निरीक्षण कार्य प्रारंभ किया गया। सर्वप्रथम आई.सी.टी.रूम में प्राचार्य ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन द्वारा विगत पांच वर्षों में कालेज की उन उपलब्धियों और वस्तुस्थिति को प्रस्तुत किया जो सेल्फ स्टडी रिपोर्ट (एस.एस.आर.) में वर्णित की गई थी। तदुपरांत आई.क्यू.ए.सी. के संयोजक डा.एम.एस.कंडारी द्वारा भी पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन दिया गया। आई.क्यू.ए.सी. के सदस्यों डा. इंद्रेश कुमार पाण्डेय, डा.मदन लाल शर्मा, डा.स्वाति सुंदरियाल, डा.मृगांक मलासी, डा. विजय कुमार व जे.एस.रावत से जानकारियां प्राप्त की गई।

शेष पृष्ठ सं..... 2 पर

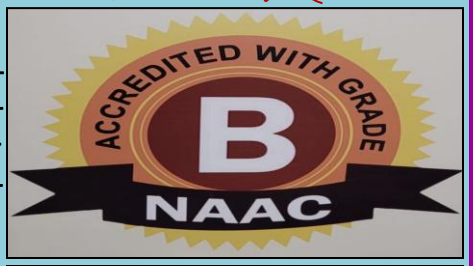

पृष्ठ सं. 1 का शेष...**राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद...**

महाविद्यालय के समस्त 13 विभागों द्वारा भी पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन दिया गया। इसके बाद सभी विभागों, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय-वाचनालय, एनएसएस प्रकोष्ठ, एनसीसी, क्रीड़ा विभाग आदि का गहनता से निरीक्षण किया गया। अभिभावक शिक्षक संघ (पीटीए), एल्युमिनाई एसोसिएशन, छात्र संघ तथा कक्षाओं में उपस्थित विद्यार्थियों से कालेज के हर पहलू का फीडबैक लिया गया। सायंकाल में ऑडिटोरियम में पीयर टीम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से उतराखंड की संस्कृति से रू-ब-रू कराया गया। दूसरे दिन 18 अक्टूबर को कार्यालय कर्मियों से वार्ता के उपरांत कार्यालय अभिलेखों की जांच की गई। आई.क्यू.ए.सी., कैंटीन व एनएसएस संगम वाटिका के निरीक्षण के बाद पीयर टीम ने एकांत में रिपोर्ट लेखन का कार्य किया। इसके बाद सभागार में महाविद्यालय परिवार के साथ एक्जिट मीटिंग प्रारंभ हुई। चेयरपर्सन ने अपने संबोधन में महाविद्यालय की उपलब्धियों और कमियों को रेखांकित किया तथा भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की। अंत में नैक टीम ने निरीक्षण की सीलबंद रिपोर्ट का लिफाफा प्राचार्य को सौंपा। 27 अक्टूबर को ई-मेल द्वारा महाविद्यालय को "बी" ग्रेड व 2.34 सीजीपीए की जानकारी प्राप्त हुई। प्रथम चक्र में महाविद्यालय की इस उपलब्धि पर संपूर्ण महाविद्यालय परिवार ने खुशियां मनाई।

महाविद्यालय में 'स्वच्छता ही सेवा' के उद्देश्य से चलाया सफाई अभियान

1 अक्टूबर

प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर महाविद्यालय में प्राचार्य प्रो. के. एल. तलवाड़ ने सघन सफाई अभियान में हिस्सा लिया। मुख्य परिसर सहित सभी गैलरियों को साफ किया गया। मुख्य भवन के पिछले हिस्से में उगी झाड़ियों को उखाड़ कर नष्ट किया गया। सफाई अभियान में प्राचार्य के साथ डा.चन्द्रावती टम्टा,डा.हिना नौटियाल, डा.नेहा तिवारी, डा.कीर्ति राम डंगवाल, जगदीश सिंह रावत, राम कृष्ण पुरोहित, विपिन, आरती,विशाल सहित एनएसएस के स्वयंसेवी छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

गांधी-शास्त्री जयंती का समारोहपूर्वक हुआ आयोजन

2 अक्टूबर

महाविद्यालय में गांधी-शास्त्री जयंती का समारोहपूर्वक आयोजन हुआ। प्राचार्य प्रो. के. एल. तलवाड़ द्वारा झंडारोहण के पश्चात गांधी जी व शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि दी गई। समस्त स्टाफ ने भी देश की इन महान विभूतियों का भावपूर्ण स्मरण और नमन किया। सामूहिक रूप से रामधुन का गायन किया गया। डा.वी.आर.अन्थवाल ने गांधी जी के सत्य व अहिंसा के सिद्धांत पर व्याख्यान दिया। प्राचार्य प्रो.तलवाड़ ने गांधी जी को व्यावहारिक अर्थशास्त्री बताया और शास्त्री जी की सादगी और दृढ़ इच्छाशक्ति पर प्रकाश डाला। समारोह का संचालन डा.आर.सी.भट्ट ने किया। संगम वाटिका में एनएसएस और एनसीसी के स्वयंसेवियों ने श्रमदान कर स्वच्छता ही सेवा सिद्धांत का संदेश दिया। कार्यक्रम में समस्त प्राध्यापक ,शिक्षणेत्तर कर्मचारी व बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

कर्णप्रयाग महाविद्यालय की छात्रा लवली बुजुर्गों की कर रही नि:स्वार्थ सेवा

3 अक्टूबर

महाविद्यालय की छात्रा लवली राणा जिला रेड क्रॉस सोसाइटी की तरफ से बद्रीनाथ यात्रा के दौरान यात्रियों को विशेष सुविधा दे रही है। महाविद्यालय की स्नातक तृतीय वर्ष की छात्रा लवली राणा चमोली के दूरस्थ पांडुकेश्वर में रेड क्रॉस सोसाइटी की तरफ से बद्रीनाथ यात्रा में स्थापित विशेष स्वास्थ्य कैंपों में बुजुर्गों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही है। इस छात्रा ने यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी की आजीवन सदस्यता ग्रहण कर बुजुर्गों, बच्चों, विकलांगों आदि को सेवा प्रदान करने का संकल्प लिया है। इससे पूर्व यह छात्रा जोशीमठ भू धंसाव के समय भी लोगों को सहायता प्रदान कर चुकी है। प्राचार्य प्रो. के.एल. तलवाड़ ने बताया कि रेड क्रॉस मानवता की सेवा के लिए एक बहुत बड़ा वरदान है। रेड क्रॉस संयोजक डा. के. आर. डंगवाल ने बताया कि लवली राणा अन्य छात्र छात्राओं के पथ प्रदर्शन का कार्य कर रही है। इस प्रकार के कार्य छात्र-छात्राओं को मानवीय सेवा हेतु प्रोत्साहित करते हैं।

पीटीए सदस्यों ने किया कालेज में नवनिर्मित पीजी कला संकाय भवन का अवलोकन

6 अक्टूबर

महाविद्यालय में प्राचार्य ने पीटीए सदस्यों को नवनिर्मित पीजी कला संकाय भवन का अवलोकन कराया। शुक्रवार को प्राचार्य प्रो. के. एल.तलवाड़ ने अभिभावक शिक्षक संघ की सत्र 2023-24 की द्वितीय बैठक के उपरांत सदस्यों को नवनिर्मित पीजी कला संकाय भवन में भूगोल, राजनीति विज्ञान, संस्कृत, इतिहास, अर्थशास्त्र व अंग्रेजी विभागों का अवलोकन कराया। इस दौरान सदस्यों ने आई. सी. टी. सैल, पुस्तकालय-वाचनालय व ऑडिटोरियम c भी देखा। अभिभावक लखपत सगोई ने कहा कि कर्णप्रयाग महाविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है। यहां उपलब्ध प्रत्येक सुविधा का लाभ विद्यार्थियों को उठाना चाहिए। अभिभावक श्रीमती दीपा पुरोहित व श्रीमती गंगोत्री ने कहा की सीसीटीवी कैमरों से लैस परिसर व ड्रेस कोड लागू होने से सुरक्षा और अनुशासन के वातावरण को बढ़ावा मिला है। भ्रमण के दौरान प्रभारी डा.हरीश रतूड़ी,डा.चन्द्रावती टम्टा, डा.के.आर.डंगवाल व डा.वी.आर.अन्थवाल आदि मौजूद रहे।

छात्राओं ने गढ़भोज दिवस के मौके पर परोसे स्वादिष्ट उत्तराखंडी व्यंजन

7 अक्टूबर

गढ़भोज दिवस के अवसर पर छात्राओं ने उत्तराखंडी पकवान बनाकर स्टाफ को परोसे। प्राचार्य प्रो.के. एल.तलवाड़ ने बताया कि शनिवार को असिस्टेंट प्रोफ़ेसर भूगोल डा.नेहा तिवारी पाण्डेय की देख-रेख में छात्राओं ने कालेज में झंगोरे की खीर, चैंसा, रोटन, भांग की चटनी, झंगोरे का भात व कंडाली बनाकर एक सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया। प्राचार्य ने कहा कि उत्तराखंड की औषधियों के गुणों से भरपूर फसलों से बनने वाले भोजन की जानकारी और स्वाद आज की नई पीढ़ी को अवश्य होनी चाहिए। व्यंजन बनाने में छात्रा सपना, मेघालय, संतोषी, सुमन, साहिबा, किरन, मोनिका सेंनवाल, निधि, शिवानी, मोनिका, सपना गुसाईं व सारिका का सहयोग रहा ।

पुरातन छात्र प्रकोष्ठ की बैठक में मिले अनेक महत्वपूर्ण सुझाव

8 अक्टूबर

महाविद्यालय में पुरातन छात्र प्रकोष्ठ की बैठक ऑनलाइन तथा ऑफलाइन माध्यम से आयोजित की गई। बैठक में महाविद्यालय के पूर्व छात्र तथा छात्राएं जुड़ी रहीं। बैठक का शुभारंभ करते हुए प्राचार्य डा. के. एल.तलवाड़ ने कहा कि एल्युमिनाई एसोसिएशन महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के शैक्षिक एवं शिक्षणेत्तर विकास के लिए फीडबैक देने का कार्य करता है। 17 व 18 अक्टूबर को नैक के निरीक्षण के समय इस परिषद की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। पूर्व छात्र सोहनलाल मुनियाल ने बताया कि नैक निरीक्षण हमारे सामने एक लक्ष्य के रूप में है जो महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं का भविष्य निर्धारित करेगा। प्रकोष्ठ के सचिव राकेश सती ने आश्वस्त किया कि नैक निरीक्षण के दौरान भूतपूर्व छात्र प्रकोष्ठ महाविद्यालय में पूर्ण मनोयोग से अपने कर्तव्य का निर्वहन करेगा। कोषाध्यक्ष तेजेंद्र रावत ने बताया कि महाविद्यालय में निरंतर विकास कार्यों से वे गदगद हैं और प्राचार्य का धन्यवाद करते हुए उन्होंने आश्वासन दिया कि नैक निरीक्षण के दौरान वे महाविद्यालय में अपनी उपस्थिति बनाए रखेंगे। पुरातन छात्र प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अनिल कुमार ने इस बैठक में ऑनलाइन माध्यम से बताया कि महाविद्यालय में नैक निरीक्षण का प्रथम चक्र है और इसमें अच्छे ग्रेड की प्राप्ति एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। बैठक में महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ.भारती सिंघल, डॉ.मदन शर्मा, डा.स्वाति सुंदरियाल, पुरातन छात्र प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ. कविता पाठक, डा.शालिनी सैनी, डा.हरीश बहुगुणा,डा. कीर्तिराम डंगवाल, डा.मृगांक मलासी, जगदीश रावत आदि उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर महाविद्यालय परिवार ने ली शपथ

9 अक्टूबर

महाविद्यालय के प्रांगण में समस्त महाविद्यालय परिवार ने अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर शपथ ली। कार्यक्रम में प्राचार्य, एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस वॉलिंटियर्स, विद्यार्थी एवं कर्मचारियों ने कन्या भ्रूण हत्या के विरुद्ध तथा लिंग भेद को खत्म करने की शपथ ली। ज्ञात हो कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने सन् 2012 में पहली बार 11 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। सन् 2023 का अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस "बालिकाओं को अपना अधिकार जानने" की थीम पर आधारित है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.के.एल तलवाड़ ने विद्यार्थियों को अनेक कानूनी जानकारी तथा अधिकारों के विषय में बताया तथा अपने अधिकारों और कर्तव्यों दोनों के प्रति सजग रहने की बात कही। इस शपथ ग्रहण में महाविद्यालय में उप जिला चिकित्सालय कर्णप्रयाग से चिकित्सक डा राजीव मौजूद थे, जिन्होंने सभी को शपथ दिलवाई। कार्यक्रम में मीडिया प्रभारी डा.आर.सी भट्ट,डॉ. मृगांक मलासी, डॉ. पंकज कुमार यादव,डा.राधा रावत, डा.शीतल देशवाल, डॉ. के .आर.डंगवाल सहित समस्त प्राध्यापक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एनएसएस स्वयंसेवियों ने कपड़े से बने थैले बनाकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

12 अक्टूबर

महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों ने पुराने कपड़ों से आकर्षक थैले बना कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा. चंद्रावती टम्टा,कार्यक्रम अधिकारी डा.हिना नौटियाल व डा.चंद्रमोहन जनस्वाण के संयुक्त निर्देशन में 'से नो टू सिंगल यूज प्लास्टिक' अभियान के तहत यह कार्य किया गया। स्वयंसेवियों ने सिंगल यूज प्लास्टिक के बेहतर विकल्प के रूप में कपड़े के थैले बनाकर समाज को एक सकारात्मक संदेश देने का प्रयास भी किया है। उन्होंने कर्णप्रयाग व्यापार संघ से भी आग्रह किया है कि वे सिंगल यूज प्लास्टिक को नकार दें और कपड़े के कैरी बैग्स को प्रोत्साहित करने में सहयोग दें। प्राचार्य प्रो.के.एल.तलवाड़ ने एनएसएस की इस मुहिम की सराहना करते हुए शुभकामनायें दी।

वनस्पति विज्ञान विभाग में जैविक खेती की प्रासंगिकता पर एकदिवसीय कार्यशाला व विभाग के परिषदीय क्रियाकलाप आयोजित

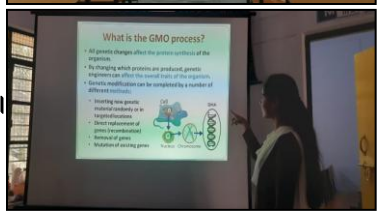

13 अक्टूबर

वनस्पति विज्ञान विभाग के परिषदीय क्रियाकलापों के अंतर्गत जैविक खेती विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। विभाग के प्रभारी प्राध्यापक सत्यराज सिंह ने जैविक खेती एवं वर्तमान समय में जैविक उत्पादों के बढ़ते महत्व को विस्तार से बताया। विभाग के प्राध्यापक डॉ.वी.पी. भट्ट एवं डॉ. इंद्रेश पांडेय ने जैविक खेती की उत्तराखंड राज्य में प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। इस विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। पोस्टर प्रतियोगिता में आंचल रावत, लघु आलेख में विनय चंद्र, स्लोगन में खुशी डोढ़ियाल, भाषण में रवीना फर्स्वाण प्रथम स्थान पर रहे।

विभाग में परिषदीय गतिविधियों के अंतर्गत पीपीटी प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता कराई गई। इस प्रतियोगिता में बीएससी प्रथम सेमेस्टर एवं एमएससी तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। विभाग प्रभारी सत्यराज सिंह के अनुसार प्रस्तुतीकरण में श्रेयांश सिंह मुनियाल प्रथम,इशिका कंसवाल द्वितीय एवं मोनिका केडियाल तृतीय स्थान पर रहे। गतिविधियों के अंतर्गत गढ़ भोज मनाने के शासन के दिशा निर्देशों के अनुक्रम में विभागीय सेमिनार के अंतर्गत उत्तराखंड के परंपरागत व्यंजनों में प्रयुक्त होने वाले पौधों, जंगली फलों ,कंदमूल, मसालों एवं औषधियों के विषय में चर्चा की गई। छात्र-छात्राओं ने अपने आसपास पाए जाने वाले स्थानीय रूप से प्रयुक्त पादपों के विषय में अपने अनुभव साझा किये। इस अवसर पर वनस्पति विज्ञान विभाग में छात्र-छात्राओं को एमएससी वनस्पति विज्ञान पाठ्यक्रम के लिए पूर्व छात्रों द्वारा उत्तराखंड के औषधीय पादपों, कंदमूल, जंगली फल इत्यादि के संबंध में जमा किए गए लघु शोध प्रबंधों की जानकारी दी गई। विभाग के तीनों प्राध्यापकों सत्यराज सिंह,डॉ.बी.पी भट्ट एवं डॉ. इंद्रेश कुमार पांडे ने छात्र-छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के अंतरमहाविद्यालयी वालीबॉल के फाइनल में ऋषिकेश व कर्णप्रयाग के बीच हुआ मुकाबला

18 अक्टूबर

अगस्त्यमुनि। श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के अंतरमहाविद्यालयी वालीबॉल टूर्नामेंट में ऋषिकेश परिसर और कर्णप्रयाग पीजी कालेज के बीच मुकाबला हुआ। मुकाबले में ऋषिकेश की टीम विजेता एवं कर्णप्रयाग की टीम उपविजेता रही।कर्णप्रयाग महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.के.एल.तलवाड़ के अनुसार टीम प्रभारी डा.दिगम्बर सिंह राणा व क्रीड़ा प्रभारी डा.वी.आर.अन्थवाल के निर्देशन में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। सभी प्रतिभागियों को प्राचार्य ने शुभकामनाएं दी हैं।

छात्र संघ 2023-24 के गठन के लिए चुनाव हुआ संपन्न

7 नवंबर

महाविद्यालय में उच्च शिक्षा निदेशालय से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में सत्र 2023-24 के लिए छात्र संघ चुनाव लिंगदोह समिति की सिफारिशों और श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय से प्राप्त कार्यक्रमानुसार संपन्न हुए। दो नवंबर को शाम 4 बजे चुनाव अधिसूचना जारी हुई। तीन नवंबर को 11 बजे से 3 बजे तक नामांकन पत्रों की बिक्री हुई। चार नवंबर को 11 बजे से 3 बजे तक नामांकन हुए। पांच नवंबर को प्रात: 10 बजे से 12 बजे तक नामांकन वापसी का समय था, किंतु किसी प्रत्याशी द्वारा नाम वापस नहीं लिया गया। नामांकन पत्रों की जांच के बाद 3 बजे वैध प्रत्याशियों की सूची प्रकाशित कर दी गई, जिसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और सहसचिव पद हेतु दो-दो नामांकन थे,जबकि कोषाध्यक्ष पद पर कु.संतोषी (बी.एस-सी.तृतीय वर्ष), सदस्य विश्वविद्यालय प्रतिनिधि पद पर आयुष नेगी (बी.ए.तृतीय वर्ष) तथा सदस्य कार्यकारिणी पद पर कु.अमनदीप कल्सी (बी.काम) एकल नामांकन के कारण ये तीनों निर्विरोध निर्वाचित घोषित किये गये। छह नवंबर को आमसभा का आयोजन किया गया। सात नवंबर को प्रात: 8 बजे से 1 बजे तक मतदान हुआ,जिसमें कुल 822 छात्र-छात्राओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। दोपहर 2 बजे से मतगणना अभिकर्ताओं की मौजूदगी में मतगणना प्रारंभ हुई और 3:30 बजे मुख्य चुनाव अधिकारी डा.रमेश भट्ट ने चुनाव परिणामों की घोषणा की,जिसके अनुसार अध्यक्ष पद पर प्रीतम सिंह (एम.ए. प्रथम सेमेस्टर राजनीति विज्ञान) को अध्यक्ष, कु.सलोनी(बी.काम.प्रथम सेमेस्टर) को उपाध्यक्ष, राहुलकुमार धुनियाल (एम.ए.प्रथम सेमेस्टर भूगोल) को सचिव तथा प्रमोद सिंह (बी.ए.प्रथम सेमेस्टर) को सहसचिव पद पर निर्वाचित घोषित किया गया। प्राचार्य प्रो.के.एल.तलवाड़ ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई और शुभकामनाएं दी। चुनाव समिति में डा. इंद्रेश कुमार पाण्डेय, डा.राधा रावत व डा.हरीश रतूड़ी सम्मिलित रहे। मुख्य शास्ता के दायित्व का निर्वहन डा.मानवीरेन्द्र कंडारी ने किया। महाविद्यालय में शांतिपूर्ण चुनाव करवाने में स्थानीय प्रशासन व पुलिस प्रशासन का विशेष सहयोग रहा। थानाध्यक्ष डी.एस.रावत मयपुलिस फोर्स व तहसीलदार सुरेन्द्र देव सिंह उपस्थित रहे। शिक्षण व शिक्षणेत्तर स्टाफ के सहयोग से चुनाव निर्विघ्न संपन्न हुआ।

कर्णप्रयाग महाविद्यालय और राजस्थान के महिला महाविद्यालय के मध्य हुआ एम.ओ.यू.

1 नवंबर

डा. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग, चमोली, उत्तराखंड और श्रीमती कमला देवी गौरीदत्त मित्तल महिला महाविद्यालय सरदारशहर जनपद चुरू राजस्थान के मध्य 'एकेडमिक कॉलोब्रेशन' के लिए एक समझौता ज्ञापन हुआ। कर्णप्रयाग कालेज के प्राचार्य प्रो.के.एल.तलवाड़ और संबंधित महिला महाविद्यालय के प्राचार्य डा.मृत्युंजय कुमार पारीक ने ऑनलाइन मोड से एम.ओ.यू. साईन किया। समझौता ज्ञापन की शर्तों के अनुसार ये दोनों संस्थान आपस में नवाचार का आदान-प्रदान, संयुक्त रूप से रिसर्च प्रोजेक्ट पर कार्य, सेमिनार, वेबिनार, सिम्पोजियम, कांफ्रेंस और वर्कशाप आदि आयोजित करेंगे। इससे उत्तराखंड और राजस्थान की संस्कृति के आदान-प्रदान को भी बढ़ावा मिलेगा। संस्थान एक-दूसरे के पुस्तकालयों का भी ऑनलाइन उपयोग कर सकेंगे। यह एम.ओ.यू. 01 नवम्बर से आगामी पांच वर्षों तक वैध रहेगा। एम.ओ.यू. प्रभावी होते ही कर्णप्रयाग महाविद्यालय के प्राचार्य ने नैक पीयर टीम की विजिट के समय की जाने वाली आवश्यक तैयारियां साझा की। ऑनलाइन मीटिंग में डा.मदन लाल शर्मा व डा.हरीश बहुगुणा तथा मित्तल महाविद्यालय से डा.सुनील खत्री व डा.मीनाक्षी सहित अन्य प्राध्यापक जुड़े रहे।

कर्णप्रयाग कालेज के डा.बहुगुणा अहमदाबाद में छह दिवसीय उद्यमिता प्रशिक्षण हेतु चयनित

5 नवंबर

महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफ़ेसर डा. हरीश बहुगुणा का चयन फैकल्टी मेन्टर के रूप में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के लिए हुआ । प्राचार्य प्रो. के. एल. तलवाड़ के अनुसार राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों में उद्यमिता, स्टार्ट अप एवं नवाचार आदि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद सहायतित देवभूमि उद्यमिता योजना लागू की गई है। महाविद्यालय के डा.बहुगुणा फर्स्ट कोहर्ट में 5 से 10 नवंबर तक भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में प्रशिक्षण में प्रतिभाग करेंगे। उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय की कौशल विकास समिति के संयोजक डा.हरीश बहुगुणा द्वारा यह प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत सीमांत जनपद चमोली के विद्यार्थी भी लाभान्वित होंगे। महाविद्यालय परिवार ने डा.बहुगुणा के चयन पर प्रसन्नता जताई है।

रोजगार एवं स्वरोजगार का केंद्र बनेगा कर्णप्रयाग महाविद्यालय

10 नवंबर

उत्तराखंड राज्य सरकार की नवीन "देवभूमि उद्यमिता योजना" के अंतर्गत महाविद्यालय में विद्यार्थियों को उद्यमिता के बारे में जागरूक कर उनमें उद्यमिता विकास किया जाएगा। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.के. एल. तलवाड़ ने कहा कि छात्रों में छिपे कौशल ही उनके विकास एवं इस क्षेत्र के विकास के माध्यम होंगे। डॉ. हरीश बहुगुणा ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान उन्हें स्थानीय लोगों एवं विद्यार्थियों में किस प्रकार उद्यमिता कौशल का विकास किया जा सकता है यह सब जानकारी दी गई । कर्णप्रयाग महाविद्यालय में जल्द ही बूट कैंप आयोजित किया जाएगा । इस बूट कैंप में विद्यार्थियों एवं स्थानीय लोगों तक उद्यमिता की जागरूकता एवं उद्यमिता विकसित करने की जानकारी दी जाएगी।

उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस का हुआ समारोहपूर्वक आयोजन, विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

9 नवंबर

उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के मौके पर महाविद्यालय में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम और विद्यार्थियों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। एनएसएस की वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा. चन्द्रावती टम्टा, कार्यक्रम अधिकारी नौटियाल व डा. चंद्रमोहन जनस्वाण के संयुक्त निर्देशन और आईक्यूएसी के तत्वावधान में राज्य स्थापना दिवस का आयोजन समारोहपूर्वक किया गया। 'उत्तराखंड राज्य के विकास में महिलाओं की भूमिका' विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रज्ञा प्रथम, स्नेहा चौहान द्वितीय व लवली बिष्ट तृतीय स्थान पर रहीं। मेंहदी प्रतियोगिता में साहिबा, आयशा रतूड़ी व अनामिका मैत्री को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान मिला। पोस्टर प्रतियोगिता में अंतरा सती ने पहला, मोनिका व आरजू ने दूसरा तथा साहिबा व जिया रावत ने तीसरा स्थान हासिल किया। ऑडिटोरियम में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उद्घाटन करते हुए प्राचार्य प्रो.के.एल.तलवाड़ ने अपने संबोधन में कहा कि नवोदित राज्य उत्तराखंड के चहुंमुखी विकास में प्रत्येक उत्तराखंडी को बढ़-चढ़कर कर प्रतिभाग करना होगा।महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को राज्य के हर पहलू से अवगत कराना प्राध्यापकों का दायित्व है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत लोकनृत्यों व समूह गान के माध्यम से देवभूमि उत्तराखंड की महिमा का वर्णन किया गया। चिपको आंदोलन की प्रणेता "गौरा देवी" के व्यक्तित्व व कृतित्व पर नाटक का मंचन सार्थक पहल रही। एनएसएस की संगम वाटिका में वृक्षारोपण कर हरित उत्तराखंड का संदेश भी स्वयंसेवियों ने दिया।प्राध्यापकों तथा विद्यार्थियों ने उत्तराखण्ड राज्यसे संबंधित अपने विचार भी प्रकट किये।इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी और स्टाफ मौजूद रहा।

निर्वाचन साक्षरता क्लब के तत्वावधान में जागरूकता कैंप आयोजित

22 नवंबर

महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राओं का एक जागरूकता कैंप आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं, प्राध्यापक एवं प्राचार्य सम्मिलित हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य प्रो. तलवाड़ ने बताया कि संविधान द्वारा मतदान का जो अधिकार प्रदान किया गया है हमको एक जागरूक नागरिक के तहत उस अधिकार का प्रयोग करना चाहिए ,साथ ही मतदाता सूची में अपना एवं अपने संबंधियों का नाम दर्ज करने के लिए जागरूक रहना चाहिए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नोडल अधिकारी डा. सत्यराज सिंह ने बताया कि बी.एल.ओ. के माध्यम से किस प्रकार नए मतदाता के रूप में मतदाता सूची में पंजीकृत हो सकते हैं। कार्यक्रम में अलग-अलग वक्ताओं ने बताया कि फॉर्म 6, फॉर्म 7,तथा फॉर्म 8 किस प्रकार बीएलओ के माध्यम से हम भर सकते हैं। कार्यक्रम में डा.कविता पाठक, डा. स्वाति सुंदरियाल, डा. मदन शर्मा, डॉ. विजय कुमार, डॉ. कीर्तिराम डंगवाल, डॉ. शालिनी सैनी, डॉ. पूनम चौहान, डॉ. हरीश बहुगुणा, डॉ. नरेंद्र पंघाल आदि उपस्थित रहे।

चमोली जिले में अयोजित की गयी वाल्मीकि रामायण पर व्याख्यानमाला

23 नवंबर

उत्तराखंड संस्कृत अकादमी द्वारा वाल्मीकि मास महोत्सव का प्रारम्भ किया गया। महाविद्यालय कर्णप्रयाग के जनपद संयोजक, संस्कृत विभाग की सहायक प्राध्यापिका डा.चन्द्रावती टम्टा को चमोली जिले का संयोजक बनाया गया है। संगोष्ठी का विषय था "वाल्मीकि रामायण में भारतीय संस्कृति का समन्वय"। कार्यक्रम का प्रारम्भ छात्राओं अमीषा रावत एवं सलोनी द्वारा वैदिक मंगलाचरण से हुआ। उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी हरिद्वार के शोध अधिकारी डॉ. हरीश गुरुरानी ने अपने प्रास्ताविक उद्बोधन में कहा कि अकादमी ने इस वर्ष वाल्मीकि मास महोत्सव मनाने का संकल्प लिया है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. संदीप भट्ट ने कहा कि भारतीय संस्कृति के प्राण राम हैं। राम में हम हैं और हम सबमें राम हैं। सह वक्ता डॉ. पौलस्ती प्रधान ने अरण्य कांड के संदर्भ में अपनी बात रखते हुए बताया कि सुख और दुःख का समभाव ही राम है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गैरसैंण के प्रो. के.एन.बरमोला ने कहा कि हमें राम की तरह आचरण करना चाहिए न कि रावण के सदृश। कार्यक्रम के अध्यक्ष महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.के.एल.तलवाड़ ने कहा कि राम ने सम्पूर्ण सृष्टि को आलोकित किया है। राम हर काल में सर्वसामयिक हैं। संगोष्ठी का संचालन कर रहे महाविद्यालय की डॉ.चन्द्रावती टम्टा ने बताया कि आगामी सत्र में इस विषय पर और भी गम्भीर चिन्तन किया जाएगा। कार्यक्रम के सह-संयोजक डॉ.पंकज यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में डॉ. मृगांक मलासी सहित सौ से अधिक छात्र-छात्राएँ एवं अन्य जन सम्मिलित हुए।

कालेज के स्टाफ ने युवा पर्यटन क्लब के तत्वावधान में बैनिताल का किया शैक्षणिक भ्रमण

24 नवंबर,

महाविद्यालय के युवा पर्यटन क्लब की गतिविधियों के अंतर्गत शुक्रवार को कालेज स्टाफ बैनिताल पहुंचा। जनपद चमोली में कर्णप्रयाग मुख्यालय से लगभग 35 किलोमीटर की सड़क दूरी पर समुद्र तल से 8200 फीट की ऊंचाई पर स्थित बैनिताल अपने प्राकृतिक सौंदर्य से पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करता है। लगभग 3 किलोमीटर के दायरे में फैले घास के मैदान, जिसे स्थानीय भाषा में बुग्याल कहा जाता है, यहां का विशेष आकर्षण है। हिमालयी पर्वत श्रृंखला के नयनाभिराम दृश्य यहां आने वालों का मन मोह लेते हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. के. एल. तलवाड़ का मानना है कि यदि यहां पहुंचने वाले सैनानी पर्यावरणीय संरक्षण का पालन करें तो इसकी प्राकृतिक सुंदरता बरकरार रहेगी। डा.वाई.सी.नैनवाल, डा.के.के.द्विवेदी, डा.हरीश बहुगुणा व डा.विजय कुमार ने बैनिताल का शैक्षणिक भ्रमण कर यह निष्कर्ष निकाला कि यह स्थल औषधीय वृक्षों,जड़ी बूटियों और अपने प्राकृतिक सौंदर्य के कारण उतराखंड की धरोहर है। राज्य सरकार की फिल्म नीति के तहत यह फिल्म निर्माता-निर्देशकों के लिए भी अत्यंत उपयोगी हो सकता है। पर्यटन बढ़ने से होम स्टे के साथ-साथ युवाओं के स्वरोजगार के अनेक अवसर सृजित हो सकते हैं। चारों ओर के खुलेपन के कारण बैनिताल एक "एस्ट्रो विलेज" के रूप में विकसित हो सकता है।

एसडीआरएफ ने महाविद्यालय में दिया विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

25 नवंबर

महाविद्यालय में सिक्स्थ वर्ल्ड कांग्रेस ऑन डिजास्टर मैनेजमेंट (डब्ल्यू.सी.डी.एम.) के अंतर्गत एसडीआरएफ ने विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी। शनिवार को ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यशाला में उपनिरीक्षक कुलदीपक पांडेय ने आपदा से पूर्व, आपदा के समय और आपदा के बाद से जुड़ी तैयारियों तथा बचाव व राहत कार्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। एसडीआरएफ की टीम ने आपदा प्रबंधन में उपयोग में आने वाली सामग्री व उपकरणों को प्रदर्शित कर उनके प्रयोग की जानकारी दी। प्राचार्य प्रो.के.एल.तलवाड़ ने कहा कि उत्तराखंड प्राकृतिक आपदाओं की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील राज्य है,इसलिए इस प्रकार की कार्यशालाओं की अत्यंत आवश्यकता है। महाविद्यालय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के संयोजक डा.तौफिक अहमद ने कहा कि निकट भविष्य में आपदा प्रबंधन पर साप्ताहिक प्रशिक्षण भी विद्यार्थियों को दिया जायेगा। व्यावहारिक प्रशिक्षण में आयुष,शिवानी,यश,अमीषा व साहिबा ने हिस्सा लिया। कार्यशाला में डा.भरत बैरवाण, डा.वी.पी.भट्ट, डा.मदन शर्मा,डा.पूनम चौहान, डा.शालिनी सैनी,डा.दिशा शर्मा,डा.शीतल देशवाल, डा. हिना नौटियाल, डा.नरेंद्र पंघाल, डा.विजय कुमार, डा.हरीश बहुगुणा सहित शिक्षक एवं तमाम विद्यार्थी मौजूद रहे।

महाविद्यालय में आयोजित हुआ दो दिवसीय स्टार्टअप बूट कैंप

29 नवंबर

महाविद्यालय में दो दिवसीय स्टार्ट अप बूट कैंप आयोजित हुआ। कैंप के उद्घाटन सत्र में प्राचार्य प्रो.के.एल. तलवाड़ ने अतिथियों के स्वागत संबोधन में कहा कि राज्य सरकार एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान,अहमदाबाद के सहयोग से संचालित देवभूमि उद्यमिता योजना का लक्ष्य उत्तराखंड के युवाओं को स्वरोजगार एवं रोजगार निर्माता के रूप में विकसित करना है। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद से आए अभिषेक नंदन एवं गौतम कुमार ने योजना के महत्व पर प्रकाश डाला। कर्णप्रयाग क्षेत्र के स्थानीय उद्यमी अंशुल भट्ट, कर्ण भट्ट एवं डॉ.सुशील चंद्र सती ने अपनी उद्यम विकास यात्रा के द्वारा विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। दो दिवसीय कैंप के समापन के दौरान जिला उद्योग केंद्र से बद्री सती एवं जिला पंचायत सदस्य एवं पूर्व उद्यमी विनोद नेगी ने उत्तराखंड में उद्यम के अवसर के बारे में बताया। प्रो. भारती सिंघल ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हरीश बहुगुणा ने किया। डॉ. मदन लाल शर्मा, विजय कुमार एवं हिना नौटियाल ने कार्यक्रम में आए अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस सत्र में डॉ. तौफीक अहमद, डॉ. डी.एस.राणा, डॉ.चंद्रमोहन जनस्वाण, डॉ. जितेन्द्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

देशभक्ति के जज्बे के साथ मनाया एनसीसी का 75 वां स्थापना दिवस

26 नवंबर,

एनसीसी कैडेट्स द्वारा सहयोगी एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. वाई. सी. नैनवाल के दिशा निर्देशन में धूमधाम से एनसीसी का 75 वां स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. के.एल.तलवाड़ द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान एनसीसी के कैडेटों द्वारा रंगारंग कार्यक्रमों के साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। पोस्टर प्रतियोगिता में साक्षी खंडूड़ी प्रथम, सानिया द्वितीय, अनुज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में नेहा एवं कशिश ने संयुक्त रूप से प्रथम,साक्षी खंडूरी ने द्वितीय तथा अमीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ड्रिल प्रतियोगिता में कु. याशी ने प्रथम,साहिल नेगी द्वितीय तथा सविता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य प्रो० के० एल०तलवाड़ ने इस अवसर पर कहा कि एनसीसी के माध्यम से महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाते आ रहे हैं। जब भी किसी आपदा से राष्ट्र लड़ता है तो एनसीसी के कैडेट बखूबी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। एनसीसी के सहयोगी एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डा. वाई. सी. नैनवाल ने इस अवसर पर कहा कि एनसीसी के माध्यम से छात्र-छात्राओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं देश प्रेम की भावना को आत्मसात करने का अवसर प्राप्त होता है।

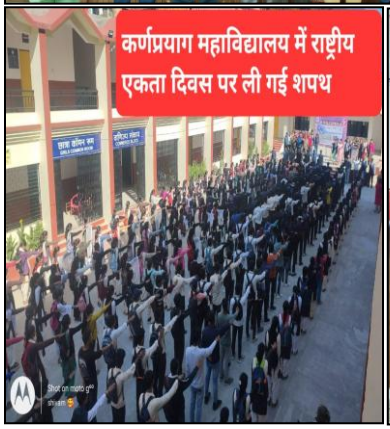

डॉ. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग (चमोली) की महाविद्यालयी गतिविधियों एवं सूचनाओं के प्रसार हेतु संरक्षक प्राचार्य प्रो. (डॉ.) के. एल.तलवाड़, संपादक डॉ. मृगांक मालासी, सह-संपादक डॉ. मदन लाल शर्मा, सह संपादक डॉ. पंकज कुमार यादव, छात्र संपादक - अमीषा रावत, तनीषा सती, प्रज्ञा
ई-न्यूज़ पत्र मोनाल का महाविद्यालय द्वारा ऑनलाइन लागत रहित प्रकाशन